बीमार बच्ची के लिए देवदूत बने सुरेश प्रभु

फैज़ाबाद । रेल मंत्री सुरेश प्रभु की अपने विभाग के प्रति कर्तव्य परायणता और अपने रेल यात्रियों को बेहतर सुविधा सुरक्षा और संरक्षा देने की सोच रेल में यात्रा करने वालों के लिए जीवन दान की तरह साबित हो रही है। ताजा मामला सामने आया है फैजाबाद में जहां पर रेल मंत्री सुरेश प्रभु को महज एक ट्वीट करने से एक मासूम बच्ची की जान बच गई । तेज बुखार उल्टी और दस्त से बीमार डेढ़ साल की मासूम बच्ची जब बेहद चिंताजनक हालत में पहुंच गई तो साबरमती एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे उसके माता-पिता ने रेल मंत्री सुरेश प्रभु को ट्वीट किया जिसके बाद फैजाबाद रेलवे स्टेशन पर मासूम बच्ची को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई और मासूम बच्ची की जान बच गई ।

डीआरएम ने स्वयं संज्ञान लेकर अधिकारियों को भेजा बच्ची की मदद के लिए
बिहार के गोपालगंज जिले के विनय प्रकाश अपनी पत्नी और डेढ़ साल की बेटी के साथ छपरा से अहमदाबाद के लिए साबरमती एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे कि ट्रेन जब शाहगंज स्टेशन पर पहुंची अचानक डेढ़ साल की मासूम बच्ची को उल्टी और दस्त शुरू हो गई कुछ ही देर में मासूम बच्ची को तेज बुखार चढ़ गया अपनी बच्ची की खराब हालत को देख कर दंपत्ति परेशान हो उठे वहीँ मासूम बच्ची का बुखार लगातार बढ़ता ही जा रहा था। दंपत्ति के पास कोई दवाई उपलब्ध नहीं थी जिसके चलते बच्ची की जान खतरे में पड़ गई उसके बाद विनय प्रकाश ने अपने मोबाइल फोन के जरिए रेल मंत्री सुरेश प्रभु को ट्वीट कर अपनी बच्ची की जान बचाने के लिए मदद मांगी जिसके बाद तत्काल रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने रेलयात्री के इस ट्वीट को पूरी गंभीरता से लिया और डीआरएम एके लाहोटी को पूरे मामले से अवगत कराते हुए मासूम बच्ची के इलाज की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए । इसके बाद ट्रेन के फैजाबाद जंक्शन पर पहुंचने पर स्टेशन मास्टर बृजेश कुमार आरपीएफ के सहायक निरीक्षक हेमंत कुमार और चिकित्सा दल के सदस्यों ने मासूम बच्ची को दवा और उपचार दिया और थोड़ी देर में बच्ची के स्वास्थ्य में सुधार को देखते हुए ट्रेन को आगे के लिए रवाना कर दिया गया वहीँ रेल मंत्री सुरेश प्रभु के इस जिम्मेदार प्रयास को रेल में मौजूद सभी यात्रियों ने खुले दिल से सराहा ।